ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-४८
दिनांक- शुक्रवार, ०१ जुलाई, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.9 एवं 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 82 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 27.9 एवं दोपहर में 32.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 61.3 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(02–06 जुलाई, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 02–06 जुलाई, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में मानसून के मध्यम बादल छाये रह सकते है। अगले २–३ दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में हल्की हल्की वर्षा हो सकती है तथा कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी होने की सम्भावना है। पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण के जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा हो सकती है। उसके बाद के पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की सम्भावना में कमी आ सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 34–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर विगत पूर्वानुमान की अवधि में वर्षा हुई है। विगत वर्षा का लाभ उठाते हुए जो किसान धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य 10 जुलाई तक सम्पन्न कर लें। धान की अगात किस्में जैसे–प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत–4,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुषसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। किसान भाई वर्षा जल का संग्रह खेत में करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें।
- जिन क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई है, वहॉ ऊचॉस जमीन में सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। मोरडेन एवं पैराडेविक सुर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि के0 बी0एस0एच0–1, के0 बी0एस0एच0–44 सुर्यमुखी की संकर प्रभेद है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 100 किवन्टल कम्पोस्ट, 30–40 किलो नेत्रजन, 80–90 किलो स्फुर एवं 40 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बुआई के समय किसान 30–40 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार कर सकते है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम तथा संकुल के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- उचॉस जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस ,20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- किसान भाई ऊचॉस जमीन में तिल की बुआई करें। कृष्णा, कॉके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 60 किवन्टल कम्पोस्ट, 20 किलो नेत्रजन, 20 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बीजदर 4 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी 30 से0मी0x10 से0मी0 रखें। 2.0 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारिओं में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए 40% छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट–व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- लीची के बागों में फलों के तोड़ाई के बाद बागों की सफाई व पेड़ों के उम्र के अनुसार अनुषंसित उर्वरकों का व्यवहार करें, जिससे अगले वर्ष वृक्षों के फलन वृद्धि में सहायक होगा।

आज का अधिकतम तापमानः 34.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी